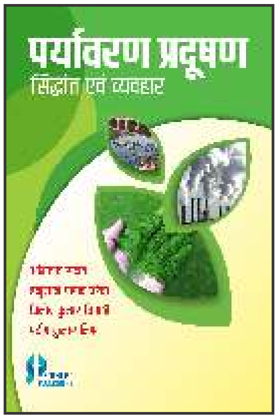

पर्यावरण प्रदूषण सिद्धांत एवं व्यवहार

अमिताव रक्षित, हनुमान प्रसाद परेवा, विनोद कुमार त्रिपाठी, प्रदीप कुमार मिश्र

सभी जीव अपनी वृद्धि, विकास तथा अपने जीवन चक्र को सुचारु रुप से चलाने के लिए संतुलित पर्यावरण पर निर्भर हैं। संतुलित पर्यावरण से तात्पर्य एक ऐसे पर्यावरण से है, जिसमें प्रत्येक घटक एक निश्चित मात्रा एवं अनुपात में उपस्थित होता है। परंतु कभी–कभी मानवीय या अन्य कारणों से पर्यावरण में एक अथवा अनेक घटकों की मात्रा या तो आवश्यकता से बहुत अधिक बढ़ जाती है, जिससे पर्यावरण में हानिकारक घटकों का प्रवेश हो जाता है। इस स्थिति में पर्यावरण दूषित हो जाता है तथा यह जीव समुदाय के लिए किसी न किसी रूप में हानिकारक सिद्ध होता है। पर्यावरण में इस अनचाहे परिवर्तन को रोकने की दिशा में इस पुस्तक के माध्यम से एक सराहनीय प्रयास किया गया है। पर्यावरणीय घटकों के आधार पर पर्यावरणीय प्रदूषण को वायु, जल, ध्वनि एवं मृदा प्रदूषण आदि भागों में बाँटा जाता है।

ISBN: 9789391418762 • 168 Pages • Year 2022 • **Price:** ₹ **1095.00**

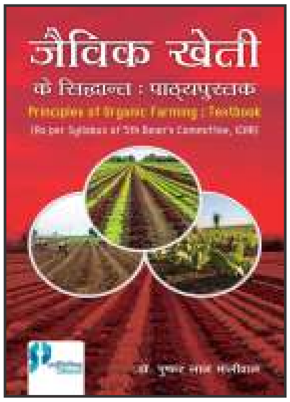

जैविक खेती के सिद्धान्त: पाठ्पुस्तक — पुष्करलाल मालीवाल

प्रस्तुत पुस्तक "जैविक खेती के सिद्धान्त : पाठ्यपुस्तक" देश के विश्वविद्यालयों में अध्यनरत कृषि स्नातक के छात्रों के लिए, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के पांचवी अधिष्ठाता कमेटी द्वारा अनुमोदित पाठ्यक्रम के अनुरूप मातृ भाषा हिन्दी में लिखी गई है। जैविक खेती पर अंग्रेजी भाषा में अनेक पुस्तकें उपलब्ध हैं, परन्तु हिन्दी भाषा पाठ्यक्रम के अनुसार पुस्तकें नगण्य ही हैं इसी को ध्यान में रखते हुए यह पुस्तक बहुत ही संक्षिप्त व सरल भाषा में लिखी गई है ताकि विधार्थियों को विषय को समझने में कोई कठिनाई नही हो। इस पुस्तक में जो अध्याय सम्मिलित किये गये हैं वे हैं जैविक खेती एक परिचय, भारत में जैविक कृषि प्रोत्साहन, जैविक पारिस्थितिकी तंत्र एवं अवधारणा, जैविक पोषक तत्व संसाधन व उनका प्रबन्धन, कीट एवं व्याधि प्रबन्धन, खरपतवार प्रबन्धन, जैविक उत्पादन प्रमाणीकरण प्रक्रिया एवम् मानक, जैविक उत्पाद प्रसंस्करण एवम् लेबलिंग, जैविक खेती की आर्थिक व्यहार्यता, जैव उत्पाद विपणन एवं निर्यात संभावनाएं । पुस्तक में कठिन विषयों को उदाहरणों, प्रयोगों व प्रतीकान्मक चित्रों द्वारा सरल सुबोध बनाने का यथासंभव

ISBN: 9789390495276 • 200 Pages • Year: 2021 • **Price:** ₹ **250.00**

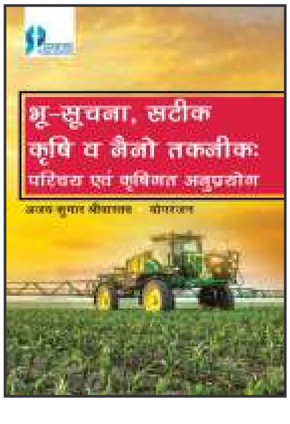

भू–सूचना, सटीक कृषि व नैनो तकनीक:

परिचय एवं कृषिगत अनुप्रयोग

अजय कुमार श्रीवास्तव • योगरंजन

प्रस्तुत पुस्तक, उन्नत कृषि हेतु आवश्यक विविध विषयों जैसे सुदूर संवेदन तंत्र, भौगोलिक सूचना प्रणाली, भूमंडलीय स्थानिक प्रणाली तथा नैनोतकनीकी के आवश्यक अनुप्रयोगों का विषयगत विवरण अत्यंत सरल भाषा में प्रस्तुत करती है। कृषि विज्ञान के स्नातक स्तरीय हिंदी माध्यम के छात्रों को उक्त तकनीकों की मौलिक एवं तथ्यपरक जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से इस पुस्तक को ग्यारह अध्यायों में विभक्त किया गया है। सुस्पष्ट आंकड़े और सरल विश्लेषण के साथ पुस्तक के प्रत्येक अध्याय को छोटे–छोटे अनुच्छेदों में विभाजित किया गया है ताकि हिंदी भाषी छात्रों को न केवल नए विषयों के सिद्धांतों को समझने में आसानी हो, बल्कि प्रस्तुत पुस्तक के माध्यम से उनकी विषयगत जिज्ञासा भी शांत हो। विषय की नवीनताको दृष्टिगत रखते हुए प्रत्येक अध्याय को अंत में प्रश्नोत्तर तथा संभावित परीक्षोपयोगी प्रश्नों के साथ अलंकृत किया गया है एवं प्रत्येक विषय को चित्रो एवं मानचित्रों के माध्यम से सरलीकृत कर प्रस्तुत किया गया है। अनुभवी लेखकों ने पुस्तक में विविध अध्यायों को नए स्वरुप में प्रस्तुत कर इस तकनीकी विषय को छात्रों के लिए अत्यंत रोचक बनाया है।

ISBN: 9789389832648 • 180 Pages • Year: 2021 • **Price:** ₹ **950.00**

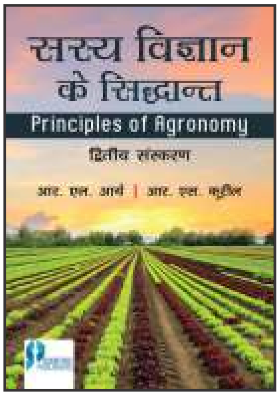

सस्य विज्ञान के सिद्धान्त (द्वितीय संस्करण)

आर.एल. आर्य • आर.एस. कुरील

कृषि में स्थायित्व प्रदान करने तथा कृषि की समस्याओं के निराकरण करने के लिए यह पुस्तक ''सस्य विज्ञान के सिद्धान्त'' लिखी गई है। इस पुस्तक में खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाने हेतु विभिन्न कृष्य विधियों को समायोजित कर मौलिक जानकारी दी गई है। इस पुस्तक में कृषि एवं सस्य विज्ञान, कृषि मौसम विज्ञान, फसलें एवं उनका वर्गीकरण, बीज एवं बुआई, फसल पद्धतियाँ, भूपरिष्करण, पादप पोषण, खाद एवं उर्वरक, मृदाएं, सिंचाई प्रबन्ध, खरपतवार प्रबन्ध, कृषि वानिकी, शुष्क कृषि एवं टिकाऊ खेती को अध्यायों में सम्मिलित किया गया है। यह पुस्तक उत्तर भारत में हिन्दी भाषी क्षेत्रों के राज्य कृषि विश्वविद्यालयों, कृषि विद्यालयों में अध्ययनरत स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्रों को सस्य विज्ञान विषय में उनके पाठ्यक्रम के अनुसार तैयार की गई है।

ISBN: 9789390495221 • 670 Pages • Year: 2021 • **Price: ₹ 525.00**

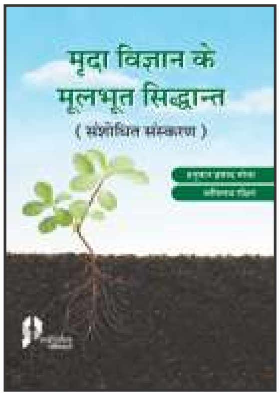

मृदा विज्ञान के मूलभूत सिद्धान्त (संशोधित संस्करण)

हनुमान प्रसाद परेवा • अमिताव रक्षित

इस पुस्तक में सभी अध्यायों, मृदा की अवधारणा, मृदा परिच्छेदिका, चट्टान एवं खनिज, मृदा निर्माण प्रक्रम एवं प्रभावित करने वाले कारक, मृदा के भौतिक गुण, आयन विनिमय, मृदा अभिक्रिया, मृदा वायु एवं वातन, भूमि क्षमता वर्गीकरण, मृदा वर्गीकरण, भारत की मृदायें, मृदा जल, सिंचाई जल की गुणवत्ता, अम्लीय मृदायें, मृदा जीव, मृदा प्रदूषण एवं जैव उर्वरक के बारे में विस्तृत में जानकारी एवं नवीनतम विचारों के साथ–साथ आवश्यकतानुसार चित्रों को भी समायोजित किया गया है। यह पाठ्यपुस्तक विद्यार्थियों के लिए बेहद उपयोगी साबित होगी क्योंकि इसे भारत के विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रम (पंचम अधिष्ठाता समिति द्वारा निर्देशित नवीन पाठ्यक्रमानुसाार) के अनुसार विकसित किया गया है।

ISBN: 978938918481 • 312 Pages • Year: 2021 • **Price: ₹ 1995.00**

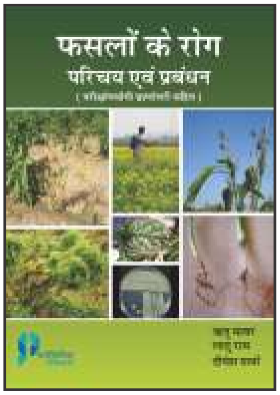

फसलों के रोग परिचय एवं प्रबंधन

ऋतु मावर • लादु राम • दीपेश शर्मा

कृशि एवं कृषि उत्पादों का महत्व मानव जीवन में सर्वविदित है। उत्पादन की वृद्धि एवं उच्च गुणवत्ता वर्तमान समय की प्राथमिक आव यकता है। ''फसलों के रोग'' कृशि उत्पादनों के मानवीय पहलू की महत्ता पर कुठारघात है। यद्यपि कृशक अनुभव आधारित ज्ञान से इस समस्या के प्रबंधन में दिन–रात व्यतीत करता है परन्तु सटीक जानकारी एवं पहचान क्षमता के अभाव में किसान अपर्याप्त सफलता प्राप्त कर पाता है। यह पुस्तक कृशकों एवं पौध व्यधि भौद्यार्थियों के प्राथमिक स्तरीय रोग परिचय एवं प्रबन्धन की जानकारी को पुश्ट करने के उद्देश्य से लिखी गई है। मानसून आधारित कृशि में सिंचाई सुविधा के समावेश ने वर्श पर्यन्त लाभकारी फसलों जैसे अनाज, दालें, मसालें, फलों, सब्जियों तथा मुद्रण फसलों का उत्पादन संभव बनाया है। किसानो द्वारा रोग की पहचान एवं सही उपचार हेतु वि ोशज्ञ सम्पर्क हेतु व्यतित समयान्तराल में फसल का एक बड़ा भाग नश्ट हो जाता है। सरल हिन्दी श्भा ॥ में मुद्रित यह पुस्तक सभी ोधकर्त्ताओं को प्राथमिकस्तर पर रोग पहचान एवं संभावित उपचार विधियों में सहायता प्रदान करेगी, जो फसल उत्पादन बढ़ानें में अव यम्भावी हितकर सिद्ध होगी।

ISBN: 9789388043632 • 164 Pages • Year: 2019 • **Price: ₹ 995.00**

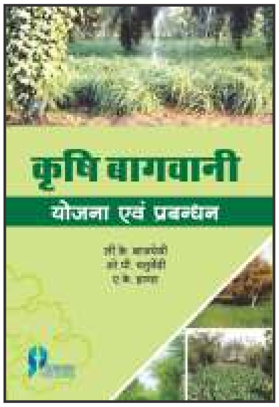

कृषि बागवानी योजना एवं प्रबन्धन

सी.के. वाजपेयी • ओ.पी. चतुर्वेदी • ए.के. हाण्डा

फल, फूल, सब्जियाँ एवं मसाले शारीरिक पोषण एवं आर्थिक सुरक्षा की दृष्टि से अत्यन्त महत्वपूर्ण हैं। बढ़ती जनसंख्या दबाव के कारण इनकी माँग में निरन्तर वृद्धि हो रही है। सीमित कृषि क्षेत्र के मद्देनजर बागवानी उत्पादों की उपलब्धता बढ़ाने हेतु आज बागवानी फसलों की कृषिवानिकी के अन्तर्गत खेती को बढ़ावा देने की आवश्यकता है। इसके लिए योजनाबद्ध तरीके से गुणवत्तायुक्त उन्नत किस्मों के बीज एवं पौधरोपण कर वैज्ञानिक तरीके से उनका प्रबन्धन करना होगा, ताकि प्रति इकाई क्षेत्रफल निरन्तर अधिक से अधिक उत्पादन प्राप्त किया जा सके। फल वृक्षों की पर्यावरण संरक्षण में भी बहुत बड़ी भूमिका है। कृषि बागवानी विषय पर अभी तक हिन्दी भाषा में जानकारी का अभाव है इसी को दृष्टिगत रखते हुये इस पुस्तक में कृषि बागवानी के समस्त पहलुओं का समावेश करते हुए विद्यार्थियों, प्रसार कार्यकर्ताओं एवं किसानों का मार्गदर्शन करने और कृषिवानिकी के अन्तर्गत बागवानी फसलों की खेती को बढ़ावा देने का एक प्रयास सरल भाषा में किया गया है।

ISBN: 9789386237019 • 188 Pages • Year: 2018 • **Price: ₹ 275.00**

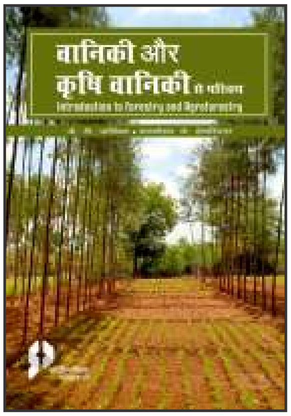

वनिकी और कृषि वानिकी से परिचय

के.टी. पार्थिबन • मनमोहन जे. डोबरियाल

इस पुस्तक में वानिकी की मूल संरचना जैसे वन एवं वानिकी, वन वर्गीकरण एवं प्रकार, प्रमुख देशों के वन स्त्रोत, विश्व वनों की स्थिति, भारतीय वनों की स्थिति, प्रमुख वाणिज्यिक वृक्षों का वन संवर्धन के कार्य एवं सिद्धांत सम्मिलित है। मौलिक संकलनाओं के अलावा पुस्तक में वन उपयोबिगता, वन मापन, कृषि वानिकी, सामाजिक वानिकी, संयुक्त वन प्रबंधन और डैन्डो ऊर्जा जैसे संसाधनों को सम्मिलित किया गया है। यह पुस्तक स्नातक विद्यार्थियों को वानिकी के प्रायोगिक कार्यो को अच्छे से समझने में सहायता प्रदान करती है। वानिकी के पर्यावणीय पक्षों को सम्मिलित करने के लिए विशेष रूप से ग्लोबल वार्मिंग व कार्बन पृथकरण से विद्यार्थियों को पर्यावरण सम्बन्धी ज्ञानध्परिचय की जानकारी प्राप्त करने में सहायता मिलती है। क्राष्ठ उद्योगों पर आधरित सोलहवां अध्याय वानिकी क्षेत्र में समस्त औद्योगिक सहभागिता को बढ़ावा देता है। वानिकी विकास से जुड़े संगठनों और वानिकी की महत्वपूर्ण तिथियों और घटनाओं को सम्मिलित करने से न केवल विद्यार्थियों को शैक्षिक उदेश्यों के लिए बल्कि उनकी प्रतिस्पर्धामक परिक्षाओ की आवश्यकताओं के लिए भी सभी आवश्क जानकारी प्राप्त होती है। अधिनियमों और नीतियों के बारे में अंतिम अध्याय स्नातक विद्यार्थियों के लिए वन प्रबंधन और संरक्षण में कानूनी और नीतिगत मुद्दों के महत्व के बारे में उपयोगी होगा। यह पुस्तक समग्र वानिकी एवम कृषि वानिकी का दर्पण है।

ISBN: 9789389412673 • 388 Pages • Year: 2021 • **Price: ₹ 395.00**

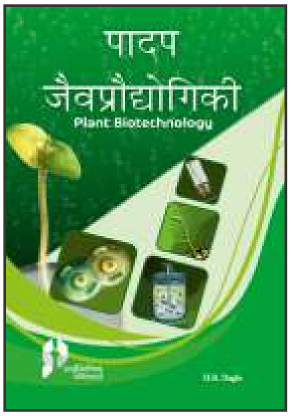

पादप जैवप्रौद्योगिकी

एच. आर. डागला

कॉलेज व विश्वविद्यालय स्तर पर विज्ञान विषय में उच्च स्तर की पुस्तकें साधारणतया अंग्रेजी माध्यम में ही उपलब्ध होती है। स्कूल स्तर तक हिन्दी माध्यम से अध्ययन किए हुए विद्यार्थियों के लिए कॉलेज व विश्वविद्यालय स्तर पर विज्ञान विषयों का अंग्रेजी भाषा में अध्ययन व अभिव्यक्ति एक चुनौती होती है। ऐसी स्थिति में हिन्दी माध्यम के विद्यार्थियों को विज्ञान विषय के आधारभूत तकनीकी शब्दों व संकल्पनाओं की सुस्पष्ट समझ विकसित नहीं हो पाती है। फलस्वरूप हिन्दी माध्यम के विद्यार्थियों में विज्ञान विषयों के प्रति अरूचि पैदा होने लगती है। प्रस्तुत पुस्तक में ''पादप जैवप्रौद्योगिकी'' जैसे तकनीकी विषय को सरलतम हिन्दी भाषा में रंगीन चित्रण द्वारा अभिव्यक्त किया गया है। पुस्तक जैवप्रौद्योगिकी विकास क्रम से प्रारम्भ होती है व पादप उतक संवर्धनः विकास का इतिहास ,पादप उतक संवर्धनः उपयोगिताएँ, उतक संवर्धन के लिए आवश्यक सामग्री, उपकरण व विधियाँ, अंग एवं कायिक भ्रूणजनन, सूक्ष्मप्रवर्धन, जीवद्रव्यक पृथक्करण व संवर्धन, उतक संवर्धन द्वारा द्वितीयक उपापचयी निर्माण, अगुणित संवर्धन, जननद्रव्य संरक्षण, आनुवंशिक अभियांत्रिकी एवं जैवप्रौद्योगिकी, जैविक नाइट्रोजन स्थिरीकरण की आण्विक जैविकी, नेनो जैवप्रौद्योगिकी, डीएनए फिंगरप्रिंटिंग तक जारी रहती है। पुस्तक में प्रमुख जैवप्रौद्योगिकीविज्ञों की भूमिकाओं का अलग से संक्षिप्त वर्णन किया गया है। विद्यार्थीयो के अभ्यास के लिए बहुविकल्पी, लघु व विस्तृत प्रश्न भी पुस्तक में दिए गए हैं। इस पुस्तक के अध्ययन से विद्यार्थियों में पादप जैवप्रौद्योगिकी विषय की आधारभूत समझ व रूचि बढ़ेगी व विद्यार्थी पादप जैवप्रौद्योगिकी में उच्च शिक्षा व अनुसंधान के लिए प्रेरित होंगे।

ISBN: 9789390749867 • 104 Pages • Year: 2021 • **Price: ₹ 295.00**

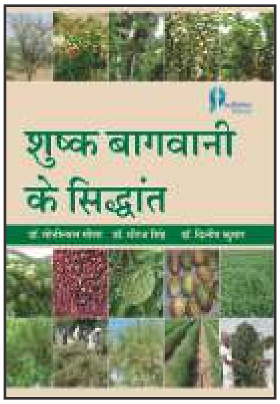

शुष्क बागवानी के सिद्धांत

मोतीलाल मीणा • धीरज सिंह • दिलीप कुमार

यह पुस्तक शुष्क बागवानी की फसलों की खेती कैसे करते हैं इस विषय पर लिखी गई है। इस पुस्तक में विशेष रुप से गुंदा, केर, सांगरी इत्यादि फसलो का समावेश किया गया है। इस पुस्तक में कुल 43 अध्याय है। हर एक अध्याय में फसल के बारे में बताया गया है। इसमें फसलों के जलवायु, मृदा, बीजदर, खेती करने का तरीके, फसलो को लगाने का तरीका, कीट एवं रोग का नियंत्रण खाद एवं उर्वरक, फल तोड़ना एवं खाद्य प्रशंयकरण एवं मार्केटिंग इत्यादि को आसान भाषा में समझाया गया है। इस पुस्तक में रंगीन छायाचित्र खेतों / बागों की वास्तविक स्थिति के छायाचित्र है। पुस्तक में महत्वपूर्ण शब्दो को बोल्ड किया गया है। यह पुस्तक किसानों, छात्रों, अनुसंधानकर्ताओं, कृषि वैज्ञानिकों एवं खेती में रुचि रखने वालों के लिए अत्यन्त उपयोगी है। इस पुस्तक में सरल एवं सुगम भाषा का प्रयोग किया गया है।

ISBN: 9789390749614 • 340 Pages • Year: 2021 • **Price: ₹ 2550.00**

e-books

for Educational & Research Institutes

e-Journals

Access for
30 Days
Free Trial

visit:
www.scientificpubonline.com

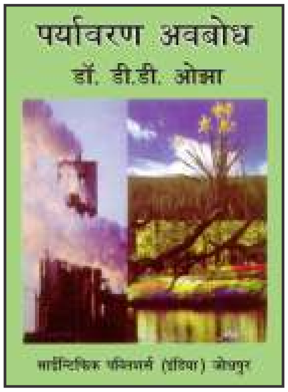

पर्यावरण अवबोध

डी.डी. ओझा

अनुक्रमणिका

1. पर्यावरण अवबोध की प्रासंगिकता
2. प्रदूषण की त्रासदी एवं संभाव्य कारक
3. वायु प्रदूषण
4. जल प्रदूषण
5. मृदा प्रदूषण
6. ध्वनि प्रदूषण
7. वनोन्मूलन एवं वन संरक्षण
8. वन्यजीव विलुप्तता एवं संरक्षण
9. ओजोन परत—पृथ्वी की सुरक्षा कवच
10. हरित पौध गृह प्रभाव
11. प्रदूषण नियंत्रण एवं कानून
12. पारिस्थितिकी तंत्र एवं उसके विभिन्न घटक

ISBN: 9788172337315 • 276 Pages • Year: 2018 • **Price:** ₹ **350.00**

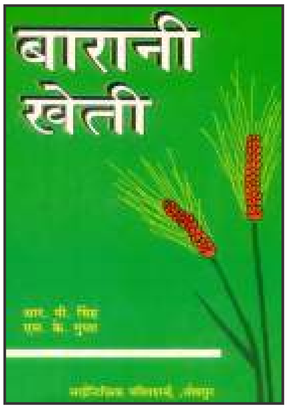

बारानी खेती — आर.पी. सिंह • एस.के. गुप्ता

इस पुस्तक में बारानी खेती के बारे में दी गई सूचना वैज्ञानिक आंकड़ो व अनुसंधान द्वारा प्रदत्त प्रमाणों पर आधरित है। यह प्रयास किया है कि इस विषय पर किये गये सभी प्रकार के कार्यो को पाठकों तक पंहुचाया जाये।
इन अनुसंधान संस्थान व अखिल भारतीय समन्वित बारानी कृषि अनुसंधान परियोजना के केन्द्रों द्वारा पिछले कई वर्षो तक किए गए अनुसंधान कार्यो को शामिल किया गया है। यह पुस्तक इन अनुसंधान कार्यो को सरल हिन्दी भाषा में प्रस्तुत करती है। इसे मुख्यतः अनुसंधान व स्नातकोत्तर छात्रों के लिये प्रकाशित किया जा गया है। तथापि सरल भाषा में होने के कारण आशा है कि यह पुस्तक स्नातक छात्रों के लिये भी उपयोगी होगी।

ISBN: 9788172330965 • 276 Pages • Year: 2018 • **Price:** ₹ **750.00**

मसाला फसलों की वैज्ञानिक खेती

कामिनी कुमारी

भारत के खाने को जायकेदार तथा सभी राष्ट्रो के खाने से अलग स्वाद एवं खुश्बुदार जायका देने में मसालों का अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान एवं स्थान है । मसालों से भोजन सुंगधित, स्वादिष्ट, सेहतमंद तथा सुंदर रंगों वाले होते है ।
भारत दुनिया का सबसे बड़ा मसाला उत्पादक देश है साथ ही दुनिया का सबसे ज्यादा मसालों का निर्यात भी भारत से होता है एवम सबसे रोचक तथ्य यह है कि भारत मसालों का सबसे बड़ा उत्पादक निर्यातक देश होने के साथ – साथ मसालों का सबसे बड़ा उपभोक्ता भी है।
देश में कुल मसाला उत्पादन का 86 प्रतिशत अकेले भारत में होता है, जो हमारे देश की अर्थव्यवस्था को मजूबत बनाने के लिए कृषि तथा कृषकों के द्वारा दी गई महत्वपूर्ण उपलब्धि है। परंतु मसाला फसलों की सार गर्भित जानकारी एक साथ उपलब्ध न होने के कारण मसाला फसलों के उत्पादकों तक तकनीकी जानकारी नहीं पहुच पाती है। अतः मसाला फसलों को कैसे वैज्ञानिक तरीके से उगाकर अधिक से अधिक मुनाफा कमाया जा सके तथा हमारे देश की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाया जा सकें। अतः ''मसाला फसलों की वैज्ञानिक खेती'' नामक पुस्तक इसी दिशा में उठाया गया एक कदम है। इसमें विभिन्न वैज्ञानिकों के लेख संशोधित कर संकलित किये गये है। उम्मीद है यह पुस्तक कृषि वैज्ञानिको, कृषकों, कृषि कार्यकर्ताओं तथा छात्रों के लिए मसाला फसलों की सारगर्भित जानकारी उपलब्ध करवाने हेतु अत्यंत लाभकारी साबित होगी।

ISBN: 9789388043649 • 200 Pages • Year: 2019 • **Price:** ₹ **750.00**

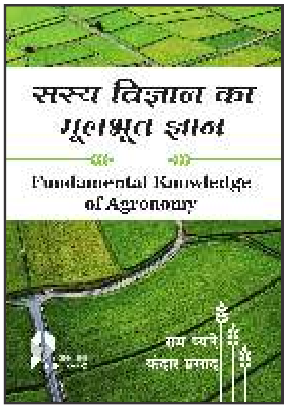

सस्य विज्ञाान का मूलभूत ज्ञान

Fundamental knowledge of Agronomy

राम प्यार • केदार प्रसाद

इस पुस्तक ''सस्य विज्ञान का मूलभूत ज्ञान'' में जलवायु, भूपरिष्करण, फसलों का वर्गीकरण, बीज एवं बुवाई, फसल प्रणाली, खाद एवं उर्वरक, सिंचाई, जल निकास, खरपतवार, शुष्कखेती, टिकाऊ खेती, जैविक खेती, कृषि प्रणाली, परिशुद्ध खेती, नैनो प्रौद्योगिकी, भौतिक सूचना विज्ञान, कृषि एवं सस्य विज्ञान के विकास के सम्बन्ध में प्रमुख बिन्दुओं, सिद्धान्तों, उद्देश्यों तथा लाभों का विस्तृत वर्णन किया गया है। पिछले कुछ महिनों में पंचम डीन्स की संस्तुतियाँ पूरे देश में लागू हो जाने के कारण पठन—पाठन के बदलते हुये स्वरूप और कुछ विषयों में एडवान्स पाठ्यक्रम आने से छात्रों में बढ़ती बेचौनी ने लेखकगण को यह पुस्तक लिखने पर मजबूर कर दिया। आशा है यह छात्रों और अध्यापकों को अवश्य पसन्द आयेगी। लेखकों ने अपने अनुभवों एवं अपने कृषि सम्बन्धी ज्ञान को इस पुस्तक में उतारने की कोशिश की है।
यह पुस्तक कृषि स्नातक, कृषि परास्नातक तथा विभिन्न प्रकार की कृषि प्रतियोगी परीक्षाओं DS Syllabus को ध्यान में रखकर लिखी है।

ISBN: 9789387307056 • 262 Pages • Year: 2018 • **Price:** ₹ **1250.00**

पाठ्यपुस्तके -- हिन्दी

Title	Author	ISBN	YEAR	PRICE (₹)
— पर्यावरण प्रदूषण	अमिताव रक्षित	9789391418762	2022	1095
— आधुनिक वनस्पति विज्ञान	नवीन मालवीय	9788172336325	2010	1250
— औषधीय पौधे: कृषि एवं उपयोग	जे.पी. तिवारी	9789389412215	2020	2595
— बागवानी फसलों में समेकित रोग-कीट प्रबंधन	एस.के.सिंह	9788172338152	2013	2650
— भू-सूचना, सटीक कृषि व नैनो तकनीक: परिचय एवं कृषिगत अनुप्रयोग	अजय कुमार श्रीवास्तव	9789389832648	2021	950
— चारा उत्पादन एवं संरक्षण	बी.एस. मीणा	9788172339517	2015	350
— प्रारंभिक संगणक अनुप्रयोग	के.के. सूद	9788172333379	2003	110
— उद्यमिता विकास हेन्ड बुक	ओ.पी. हरकुट	9788172335892	2015	240
— कुमाऊँ हिमालय का लोकवनस्पति विज्ञान	पी.सी. पाण्डे	9788172332064	1999	650
— फसलों के रोग: परिचय एवं प्रबंध	ऋतु मावर	9789388043632	2019	995
— ग्रह विज्ञान एवं प्रसार शिक्षा	रेणु आर्य	9789383692576	2017	1950
— ग्वार उत्पादन प्रौद्यागिकी	डी. कुमार	9788172336455	2010	1950
— हरित रसायन	डी.डी. ओझा	9789386347183	2017	150
— जैविक खेती के सिद्धान्त: पाठ्यपुस्तक	पी.एल. मालीवाल	9789390495276	2021	250
— खरपतवार प्रबंधन	जे.पी. तिवारी	9789388449410	2018	2500
— कृषि बागवानी : योजना एवं प्रबंधन	सी.के. बाजपेयी	9789386237019	2017	275
— कृषि प्रश्नोत्तरी	एस.आर.मालू	9789390749126	2022	295
— कृषि जगत : जेट एवं कृषि पर्यवेक्षक परीक्षा उपयोगी (द्वितीय संस्करण)	एम.एल. जाट	9789387893993	2019	395
— मसाला फसलों की वैज्ञानिक खेती	कामिनी कुमारी	9789388043649	2019	750
— मृदा विज्ञान के मूलभूत सिदान्त	एच.पी. परेवा	9789389184181	2019	1995
— खुम्ब विज्ञान हैन्डबुक	आर.एन. वर्मा	9788172339630	2016	1950
— पादप जैवप्रौद्योगिकी	एच.आर. डागला	9789390749867	2021	295
— पादप परजीवी सुत्रकर्मी : एक मूल ग्रंथ	एच.के. बजाज	9789386347268	2017	1550
— पर्यावरण अवबोध	डी.डी. ओझा	9788172337315	2011	350
— पर्यावरण प्रबंधन	डी.डी. ओझा	9788172333560	2004	250
— पुस्तक लेखक सारणी	एस.आर. यादव	9788172333943	2005	550
— सब्जियों की उत्पादन प्रौद्योगिकी	एस.के. अरोड़ा	9788172335649	2009	750
— संरक्षित खेती के अंतर्गत सतत फसल प्रबंधन	के.वी.आर. राव	9789386347220	2017	650
— सस्य विज्ञान का मूलभूत ज्ञान	राम प्यारे	9789387307056	2018	1250
— समन्वित कृषि प्रणाली एवं प्रबंधन	एल.आर. मीणा	9789388043755	2019	1950
— सस्य विज्ञान के सिद्धांत (द्वितीय संस्करण)	आर.एल. आर्या	9789390495221	2021	525
— शुष्क बागवानी के सिद्धांत	मोतीलाल मीणा	9789390749614	2021	2550
— शुष्क क्षेत्र वनीकरण एवं वन प्रबंधन : तकनीकी एवं कार्यविधियाँ	जी. सिंह	9789386237941	2017	3200
— सूचीकरण सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक	जीवनलाल माथुर	9788172330606	1993	1675
— वानिकी और कृषि वानिकी से परिचय	के.टी. पार्थीबन	9789389412673	2021	375
— वनस्पति शब्दकोश (द्वितीय संस्करण)	एस.के. जैन	9789386652195	2018	750
— वार्मीकल्चर तकनीक एवं उपयोगिता	सुरेन्द्र सुथार	9788172334435	2006	275
— व्यवसायिक पुष्पोत्पादन	देशराज	9788172335007	2008	275
— प्राणीशास्त्र प्रायोगिक मैन्युअल भाग-1	एम.एम. त्रिगुणायत	9789388172752	2019	235
— पर्यावरण जैविकी	एम.एम. त्रिगुणायत	9789388449045	2019	650
— बारानी खेती	आर. पी. सिंह	9788172330965	1995	750

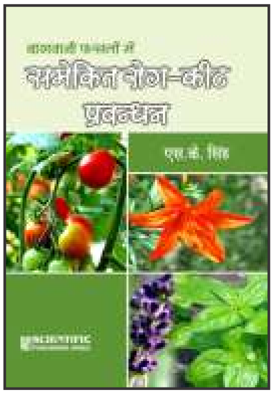

बागवानी फसलों में समेकित रोग-कीट प्रबन्धन

एस.के. सिंह

"बागवानी फसलों में समेकित रोग–कीट प्रबन्धन" में बागवानी की लगभग सभी महत्त्वपूर्ण समस्याओं के समाधान पर इस प्रकार से प्रकाश डाला गया है कि किसान बागवानी से सम्बन्धित अधिकांश समस्याओं का निराकरण स्वयं कर सकें। प्रस्तुत पुस्तक में नाशकजीवों एवं विकारों के नियंत्रण हेतु समेकित (एकीकृत) प्रबन्धन पर विशेष महत्व दिया गया है। इस पुस्तक में 51 से ज्यादा आलेख सम्मिलित किये गये हैं। सभी प्रमुख बागवानी फसलों में प्रमुख रोग, कीट, सूत्रकृमि, खरपतवार एवं विकार के समेकित प्रबन्धन पर आलेख सम्मिलित किये गये हैं। इसके अतिरिक्त अन्य बागवानी विषयों पर भी सामयिक आलेख यथा पुराने बागों का जीर्णोद्धार, बाग की देखभाल, पुष्पी पादप परजीवियों का प्रबन्धन, यन्त्रों का रखरखाव, कृषि रसायनों के सम्बन्ध में जानने योग्य बातें, फलों का फटना, फलों का झड़ना, पोषक तत्व प्रबन्धन, बागवानी में मधुमक्खी पालन, कीटनाशक रसायनों से मधुमक्खी एवं अन्य मित्र कीटों की सुरक्षा, पौधा स्वास्थ्य चिकित्सालय इत्यादि शामिल किये गये हैं।

किसान को उसके उत्पाद का लाभकारी मूल्य मिले इसके लिए आवश्यक है कि रोग, कीट, सूत्रकृमि, खरपतवार एवं विकार द्वारा होने वाली हानि से बागवानी फसलों को बचाया जाय। जीवनाशकों एवं विकार द्वारा हानि 30 से लेकर शत–प्रतिशत तक होती है। उपरोक्त हानि को आसानी से रोका जा सके, जिसके लिए अनेक फसल सुरक्षा तकनीक उपलब्ध हैं। बागवानी फसलों में नाशकजीवों (रोग, कीट, सूत्रकृमि एवं खरपतावर) और विकार द्वारा होने वाली हानि को यदि कम कर दिया जाए तो उपज के साथ–साथ गुणवत्ता में भी भारी वृद्धि की जा सकती है, जिसकी वजह से हमारा भोजन संतुलित एवं पौष्टिक होगा। इस विषय पर अभी तक उच्च स्तरीय विषय सामग्री राष्ट्रभाषा हिन्दी में उपलब्ध नहीं थी, अतः इसकी आवश्यकता को देखते हुए, उत्पादकों की कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए तथा राष्ट्रभाषा हिन्दी की सेवा भावना से प्रेरित होकर इस रचना को हिन्दी में लिखने का प्रयास किया गया है।

ISBN: 9788172338152 • 454 Pages • Year: 2019 • **Price: ₹ 2650.00**

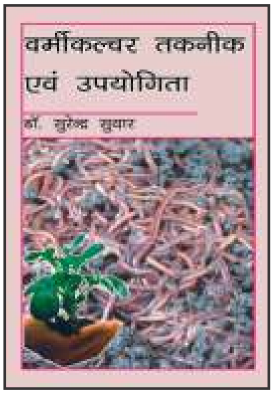

वर्मीकल्चर तकनीक एवं उपयोगिता

सुरेन्द्र सुथार

इस पुस्तक को सात शीर्षकों एवं 29 अध्यायों में प्रस्तुत किया गया है। पुस्तक में केंचुए का सामान्य परिचय, आवास–व्यवहार, जैविक विविधता, वर्गीकी, मृदा पोषकता में योगदान, मृदा सूक्ष्म तंत्र के साथ सम्बन्ध, वर्मीकल्चर, वर्मीकम्पोस्टिंग, वर्मीकम्पोस्ट का जैव रासायनिक संगठन, वर्मीकम्पोस्ट का पादप उत्पादन में प्रयोग, वर्मीवाश : निर्माण एवं उपयोग तथा वर्मीकल्चर के अन्य महत्त्व पर सविस्तार सामग्री प्रस्तुत की गई है। वर्मीकल्चर का वैज्ञानिक आधार एवं इसका पर्यावरण जैव तकनीकी उपयोग, वर्मीकम्पोस्टिंग का इतिहास, वर्मीकम्पोस्टिंग प्रजातियां, वर्मीकम्पोस्टिंग की प्रचलित विधियां, वर्मीकम्पोस्ट का जैव रासायनिक संगठन, वर्मीकम्पोस्टः गुणवत्ता प्रबन्धन तथा अन्य सम्बन्धित पहलुओं पर भी सचित्र जानकारी प्रस्तुत की गई है। लेखक ने अपने विगत कई वर्षों के शोध अनुभव को भी पुस्तक में सहजता से उतारा है।

पुस्तक में एक रोचक तथा नवीन अध्याय 'वर्मीवाश' एवं इसकी निर्माध विधि पर सचित्र जानकारी प्रस्तुत की गई है। आधुनिक प्रयोगों में वर्मीवाश एक उत्तम पादप वृद्धिकारक, कीटनाशी तथा पादप वृद्धि उद्दीपक के रूप में सामने आया है। वर्मीकल्चर के अन्य उपयोग जैसे कि कुक्कुट पालन, मछली पालन, झींगा पालन इत्यादि में भोजन के स्रोत के रूप में चर्चा की गई है तथा केंचुए से खाद्य पदार्थ 'वर्ममील' बनाने की विधि का भी विवरण दिया गया है। केंचुए के मास से प्राप्त प्रोटीन एवं विटामिन्स की मात्रा तथा केंचुए के औषधिक महत्त्व पर रोचक जानकारी पुस्तक में दी गई है।

ISBN : 9789386347190 • 454 Pages • 2019 • Price: 575 (₹)

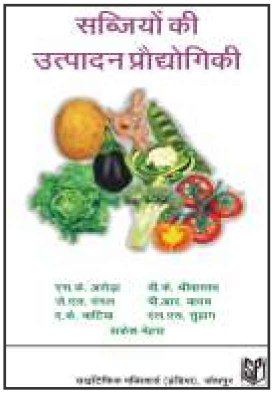

सब्जियों की उत्पादन प्रौद्योगिकी

एस.के.अरोडा बी.के श्रीवास्तव • जे.एल. मगल • पी.आर. यादव
ए.के. भाटिया • एल.एस. सुहाग

देश की जनसंख्या में निरन्तर वृद्धि के कारण मनुष्य के आहार में सब्जियों की कमी को ध्यान में रखकर इनके उत्पादन में वृद्धि करना अनिवार्य हो गया है। यह वृद्धि तभी संभव हो सकती है जब किसानों को सब्जी उत्पादन की नवीन प्रौद्योगिकी का ज्ञान हो। इस पुस्तक में कृषकों का ध्यान नई प्रौद्योगिकी के साथ–साथ उन छोटी छोटी त्रुटियों की ओर भी खींचा गया है। जिन्हें वे आमतौर पर फसल उगाने के दौरान करते रहते हैं तथा अच्छी पैदावार लेने से वंचित रह जाते हैं। इस पुस्तक में इन सभी समस्याओं का निराकरण करने का प्रयास किया गया है। इसके अलावा मुख्यतः सब्जी उत्पादन की उन्नत प्रौद्योगिकी, जीवाणु व रासायनिक खादों का संतुलन प्रयोग, कीटों व रोगों का समेकित नियंत्रण तथा अनेक लाभदायक सूचनाओं व सावधानियों को सम्मिलित करके सरल भाषा में कृषकों तक पहुचाने का प्रयत्न किया गया है। यह पुस्तक कृषको, विद्यार्थियों, अध्यपकों के लिए अत्यन्त उपयोगी सिद्ध होगी।

ISBN: 97881723332649 • 264 Pages • Year: 2019 • **Price: ₹ 750.00**

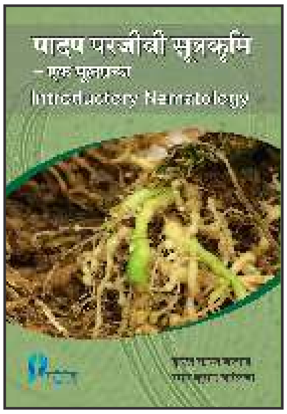

पादप परजीवी सूत्रकृमि-एक मूलगन्थ

(Introductory Nemeatolgy)

हरिश कान्त बजाज • रमन कुमार वालिया

प्रस्तुत रचना, मूलतः देश के हिन्दी माध्यम में अध्ययन करने वाले उन छात्रों के लिए है जिन्हें इस भाषा में सूत्रकृमि विज्ञान की मूल पुस्तक का अभाव अनुभव हो रहा है। पुस्तक के अध्यायों को तीन भागों में व्यवस्थित किया गया है। प्रथम भाग में सामान्य सूत्रकृमि विज्ञान, द्वितीय भाग में विभिन्न फसलों को क्षति पहुंचाने वाले महत्वपूर्ण सूत्रकृमियों, कीट रोग जनक व कीटरागी सूत्रकृमियों का विवरण किया गया है। तृतीय भाग (प्रयोगात्मक सूत्रकृमि विज्ञान) में निर्धारित प्रयोगों को सम्मिलित किया गया है। वस्तुतः बी.एस.सी. (आनर्स) कृषि, बी.एस.सी. (आनर्स) हारटीकल्चर व बी.एस.सी. सिरीकल्चर, तीनों के पाठ्यक्रमों के लिए निर्दिष्ठ सूत्रकृमि विज्ञान के कोर्सों की आवश्यकताओं को यह पुस्तक पूरी करती है। पुस्तक में सम्मिलित कुछ अन्य अध्याय विद्यार्थियों को SRF NET आदि के लिए लाभप्रद होगें। हमारा उद्देश्य इस पुस्तक के माध्यम से सूत्रकृमि विज्ञान को समुचित चित्रों की सहायता से सरल भाषा में प्रस्तुत करना रहा है जिससे कि छात्र न केवल सूत्रकृमियों को समझ सके अपितु उनमें इस विषय को और भी जानने की उत्सुकता उत्पन्न हो सके।

ISBN: 9789386652492 • 310 Pages • Year: 2018 • **Price: ₹ 450.00**

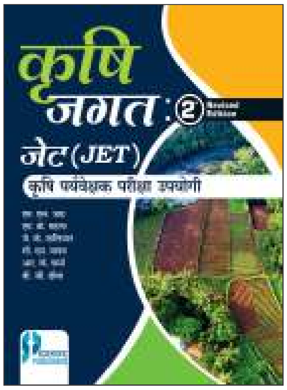

कृषि जगत (जेट) (JET)

"द्वितीय संस्करण"

कृषि पर्यवेक्षक परीक्षा उपयोगी

एम.एल. जाट • एम.के. महला • जे.के. बलियान • सी.एम. यादव
आर.के. शर्मा • बी.जी. छीपा

इस पुस्तक में कृषि संकाय, गृह विज्ञान एवं कृषि वानिकी के स्नातक की प्रवेश परीक्षा तथा कृषि पर्यवेक्षकों/ सहायक कृषि अधिकारियों की प्रवेश परीक्षा की तैयारी हेतु बहुवैकल्पिक उतरों वाले प्रश्न पत्र तैयार किये गये हैं जो पांच खण्डों में विभक्त है। यह खण्ड क्रमशः भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, कृषि विज्ञान व गणित से सम्बन्धित है। इन प्रवेश/प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी के लिए वर्तमान में सम्पूर्ण जानकारी वाली कोई गाइड उपलब्ध नहीं है और विद्यार्थियों को इस प्रवेश परीक्षा की तैयारी के लिए बहुत सी अलग–अलग किताबों का अध्ययन करना पड़ता है। इस पुस्तक में राजस्थान श्रम्ज परीक्षा व अन्य कृषि विश्वविद्यालय में कृषि स्नातक प्रवेश परीक्षा के लिये सम्पूर्ण जानकारी एकत्र करने का प्रयास किया गया है। साथ ही गत वर्षों मे पूछे गये सवालों के आधार पर ही यह पुस्तक तैयार की गई है। ऐसे मुख्य प्रश्नों का समागम इस पुस्तक में किया गया है। अतः यह पुस्तक कृषि संकाय, जीव विज्ञान संकाय व गणित संकाय के छात्र–छात्राओं के लिए एक ही जगह सभी महत्त्वपूर्ण जानकारियाँ उपलब्ध करवाती है।

ISBN: 9789383692583 • 565 Pages • Year: 2021 • **Price: ₹ 450.00**

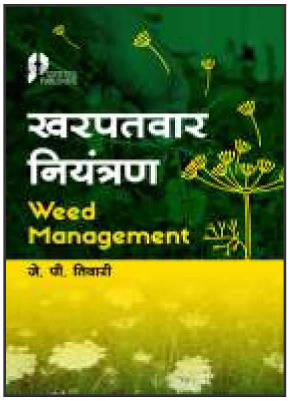

खरपतवार नियंत्रण

जे.पी.तिवारी

प्रस्तुत पुस्तक देश के विश्वविद्यालयों विशेषकर कृषि, उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालयों में नींदा नियंत्रण विज्ञान विषय से संबंधित अद्यतन प्रचलित पाठ्यक्रम के अनुसार मातृभाषा हिन्दी में लिखी गई है। विगत वर्षो में नींदा नियंत्रण विज्ञान के क्षेत्र में गहन अनुसंधान हुए हैं, एवं नियंत्रण की विधाओं में बहुत प्रगति हुई है, जिसकी जानकारी छात्र–छात्राओं को अत्यंत आवश्यक है। नींदा नियंत्रण विज्ञान की अंग्रेजी भाषा में अनेक पुस्तकें उपलब्ध है, परन्तु हिन्दी भाषा में नवीन पाठ्यक्रम के अनुसार पाठ्य पुस्तकें नगण्य है इससे विद्यार्थियों को इस विषय को समझाने में कठिनाई होती है और अंग्रेजी भाषा की पुस्तकों को पढ़ने पर उनको उपयुक्त बोध नहीं होता है विशेषकर हिन्दी भाषी प्रदेशों में। इस पुस्तक में नये उपकरणों, यंत्रों तथा नई प्रविधियों को अपनाकर अनुसंधानों व प्रयोगों के आधार पर जो निष्कर्ष प्राप्त हुए हैं उनका सरल हिन्दी भाषा में विस्तृत वर्णन पाठ्यक्रम के अनुसार किया गया है। विभिन्न पारिस्थितिकीय तंत्र में अनुकूलित नींदा (खरपतवार) जैसे – कृषकीय क्षेत्र में फसलों, फलोद्यानों, वनों व चरागाह, कीड़ांगनों, जलीय क्षेत्रों, रिक्त स्थानों आदि में पाये जाने वाले नींदा की प्रवृति, उनसे स्वर्धा व हानि, फसलों व पर्यावरण पर प्रभाव व उनके नियंत्रण का वर्णन किया गया है।

ISBN: 9789388449410 • 560 Pages • Year: 2018 • **Price: ₹ 2500.00**

कृषि प्रश्नोत्तरी

एस आर मालू • मोनिका जैन • शिप्रा पालीवाल

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिये यह पुस्तक सरल हिन्दी भाषा में प्रस्तुत की जा रही है। इस पुस्तक में कृषि से सम्बधित विभिन्न विषयों को 2000 प्रश्न–उत्तर के रूप में संकलित किया गया है। उत्तर वस्तुनिष्ठ न होकर विषयों के बारे में पूर्ण जानकारी देते हैं जैसा कि अन्य उपलब्ध कृषि प्रतियोगी परीक्षाओं की पुस्तकों में नही होता है। कृषि विषयों जैसे सस्य विज्ञान, आनुवंशिकी, मृदा विज्ञान, उद्यानिकी, अनुसंधान, विकास, विस्तार, सरकारी योजनाओं इत्यादि के बारे में भी इसमें बताया गया है। यह पुस्तक कृषि क्षेत्र की प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे बैंकिग, कृषि पर्यवेक्षक, बीज एवं कृषि अधिकारी (AO/AAO/ARO, JET/Pre-PG/ARS/NET) अथवा निजी क्षेत्र में भर्तियों के लिये ज्ञान का एक अनूठा संकलन है। इसके अतिरिक्त कृषि से जुड़े सरकारी, गैर–सरकारी, कृषि छात्रों, अध्यापकों एवं किसान भाईयों के लिये भी यह उपयोगी नवीनतम पुस्तक है।

ISBN : 9789390749126 • 282 Pages • 2022 • Price: 295 (₹)

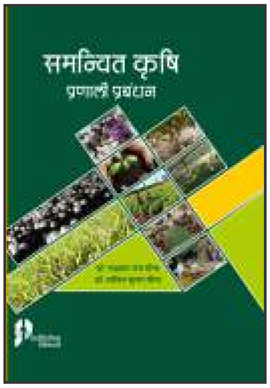

ISBN : 9789388043755

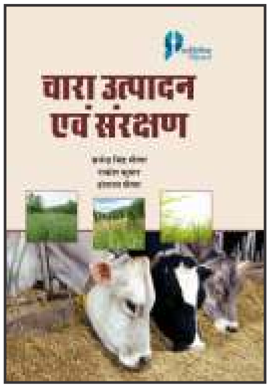

ISBN : 9788172339517

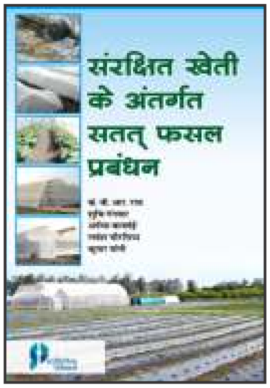

ISBN : 9789386347220

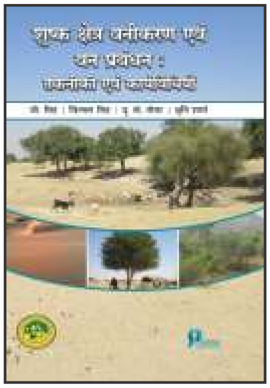

ISBN : 9789386237941

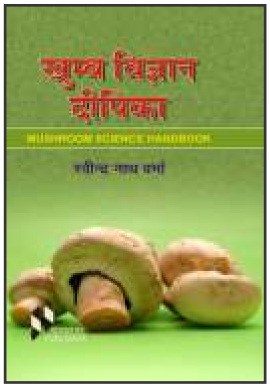

ISBN : 9788172339630

SAVE 10%

WWW.SCIENTIFICPUBONLINE.COM

ONLINE ORDER

SAFE PAYMENT

FAST DELIVERY

PROMO CODE
SP2022

Scan here

SCIENTIFIC PUBLISHERS
WWW.SCIENTIFICPUBONLINE.COM

Head Office
5A, New Pali Road
Jodhpur (Raj.) INDIA
Mob: +91-99292-72222
Tel: +91-291-2433323
Email: info@scientificpub.com

E-Learning for Students
Access at Home
Request for Demo & Trail at :
www.scientificpubonline.com